सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

मासिक पत्रिका

नवम्बर – 2024

शिक्षा

स्वास्थ्य

पर्यावरण

स्वावलंबन

समरसता

संदेश...

"ग्राम विकास से देश विकास" के मॉडल को सामने रखकर हम सभी एक ऐसा गाँव बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जहाँ सभी ग्रामीण शिक्षित हों, स्वस्थ हों, निरोगी हों, हर हाथ को काम, हर खेत को पानी हो, आपस में मिलकर रहें, पूरा गाँव स्वच्छ हो, नशामुक्त हो, गाँव के सभी किसान समृद्ध व खुशहाल हों। आप सभी ग्रामीण खेल महोत्सव के अन्तर्गत युवाओं को उनकी प्रतिभा को निखारने एवं दिखाने का अद्‌भुद मंच प्रदान कर रहे हैं। समाज में ग्रामीण खेलों को बढ़ाने के लिए लोगों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाने के कार्य किये हैं। इसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ।

पद्‌मश्री
जयप्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन - सूर्या फाउण्डेशन

मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार

पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी इस देश के उन दुर्लभ व्यक्तित्वों में से एक हैं, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से देशभर में अनेक सामाजिक और धार्मिक कार्यों का नेतृत्व किया। उन्होंने बिना किसी पुरस्कार या स्वार्थ के लाखों लोगों को रोजगार प्रदान किया है।

ग्रामीण विकास, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, शिक्षा, आध्यात्मिक, महिला सशक्तिकरण और कृषि क्षेत्र सहित कई क्षेत्रों में सेवा के काम कर रहे हैं। उनकी नि:स्वार्थ सेवा को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। उनके जन्मदिन के अवसर पर गौड़गांव, बीदर (कर्नाटक) के महादेव मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया गया, साथ जी गौपूजा और प्रसाद अर्पण किया गया।

निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर

संस्था के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी के जन्मदिन के अवसर पर गौड़गांव, बीदर (कर्नाटक) में नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा किया गया। जिसमें 150 पशुओं का उपचार किया गया। शिविर में पशुओं को नि:शुल्क इलाज, दवाइयाँ, स्वास्थ्य वर्धक पाउडर आदि प्रदान किया गया। यह प्रयास पशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में पशु कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में किया गया। इस शिविर में एटीएन बायोफार्म के चिकित्सकों ने सहयोग किया।

ग्रामीण खेल महोत्सव : शुभारम्भ

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत इस वर्ष सूर्या ग्रामीण खेल महोत्सव 2024 का आयोजन 14 राज्य के 150 गाँव में किया जा रहा है। यह महोत्सव गाँवों के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अद्‌भुत मंच प्रदान करता है। खेलों के माध्यम से न केवल युवाओं में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देगा बल्कि आपसी भाईचारा, एकता एवं टीम भावना को बढ़ायेगा। ग्रामीण खेल महोत्सव का उद्‌देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेले जाने वाले पारम्परिक खेलों को बढ़ावा देना, सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करना और ग्रामीण प्रतिभाओं को उभारने का एक मंच प्रदान करना है। संस्था ग्रमीण क्षेत्रों के पारम्परिक खेलों को पुनर्जीवित और संरक्षित करने का प्रयास कर रही है, ताकि ये खेल आधुनिकता में खो न जाएं और आने वाली पीढ़ियों को इनसे जोड़ सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं में छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को सामने लाने हेतु महत्वपूर्ण मंच प्रदान करना है, जहाँ खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर बड़े स्तर पर पहचान बनाते हैं।

SURYA RURAL SPORTS TOURNAMENT

स्वयं सहायता समूह : उत्पाद प्रदर्शनी

आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से सूर्या फाउण्डेशन इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन (आईएनओ) ने प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन तालकटोरा इंडोर स्टेडियम नई दिल्ली में किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की स्टॉल लगाई गई। देशभर से आए अतिथियों ने सूर्या फाउण्डेशन के पुनीत कार्य की प्रशंसा की और महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को खरीदकर अपनी भागीदारी निभाई।

तालकटोर इंडोर स्टेडियम (दिल्ली)

हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश) के गुडड्मपल्ली गाँव की महिला स्वयं सहायता समूह की बहनों द्वारा सूर्या रोशनी लिमिटेड में स्टॉल लगाकर विभिन्न प्रकार के खाद्य सामग्री चिप्स, रागी पापड़, लड्डू, चिक्की, हस्त निर्मित मालाएँ आदि बेंची। इसमें महिलाओं को काफी मुनाफा हुआ और प्लांट के अधिकारियों द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

महिला स्वावलंबन

वर्ष 2020 में गोहपुर, असम में एक किसान उत्पादक कंपनी (FPC) का गठन कर काम शुरू किया गया था। अभी तक इस समय कंपनी के पास 12 लाख रुपये का सामान सरकार से प्राप्त हो चुका है। यह कंपनी लेमनग्रास के ऊपर काम कर रही है। नवंबर माह से निष्क्रिय रूप से बैठे हुए 15 समूह को जोड़कर काम प्रारंभ किया गया जिसमें इसी माह से छह समूह ने कपड़े बनाने का काम प्रारंभ कर दिया है। अगले माह और पाँच समूह पशुपालन का काम प्रारम्भ करेंगें। फरवरी माह में असम के माजुली तथा बांगसर में गौ-उत्पादन का प्रशिक्षण समूह की महिलाओं को दिया जायेगा।

महिला स्वावलंबन शिविर

ग्राम विकास के लिए संकल्पित सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गांव योजना द्वारा देश भर में किया जाने वाला महिला सशक्तिकरण एक ऐसा कार्य है जो महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और समाज में उनकी भूमिका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विशेष रूप से महिला उद्यमिता ऐसी प्रक्रिया है जिसमें महिलाएं अपने व्यवसाय को शुरू करने और चलाने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और संसाधनों का उपयोग करने हेतु प्रशिक्षण दिया जाता है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक चलाने में मदद करना है।

इस वर्ष सूर्या साधना स्थली झिंझोली दिल्ली में आयोजित पाँच दिवसीय महिला स्वाबलंबन प्रशिक्षण शिविर में देशभर के 7 राज्यों से 75 महिलाओं ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। जिसमें उन्हें अनुभवी वक्ताओं द्वारा बौद्धिक प्रशिक्षण व उद्यमिता संवाद, गौ उत्पाद में धूपबत्ती, संब्रानी कप, दंत मंजन, दीपक, उपले, मुल्तानी साबुन आदि, क्लीनिंग उत्पाद में वाशिंग पाउडर, हैण्डवाश, डिशवाश, टायलेट क्लीनर आदि, आँवला उत्पाद में मुरब्बा, कैंडी, अचार आदि का प्रशिक्षण दिया गया, निफ्टम यूनिवर्सिटी द्वारा नान खटाई, टमाटर सॉस, खोया, अचार आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के बाद महिलाएँ वापस जाकर समूह की अन्य सदस्यों के साथ मिलकर रोजगार को बढ़ाएंगी। जब महिलाएँ रोजगार से जुड़ती हैं तो उनकी भूमिका सामाजिक कार्यों में भी बढ़ती हैं।

पद्मश्री फूलबासन बाई यादव जी (छ.ग.)

पद्मश्री आचार्य सुकामा जी (हरियाणा)

टमाटर सॉस

अचार

नान खटाई

खोया

हस्तशिल्प प्रशिक्षण

वाशिंग पाउडर

क्लीनिंग उत्पाद

आँवला उत्पाद

महिला स्वावलंबन शिविर में सम्मिलित माता और बहनों को एक खास अवसर प्राप्त हुआ। उन्हें विश्व व्यापार मेला भारत मण्डपम दिल्ली में भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्होंने विभिन्न उत्पादों और उद्योगों की प्रदर्शनी देखी। यह भ्रमण न केवल उनके ज्ञानवर्धन का कारण बना, बल्कि स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम था। हम आशा करते हैं कि इस अनुभव से हर महिला को प्रेरणा मिली और वह अपने व्यवसायिक और सामाजिक जीवन में नई उचाईयों तक पहुँच सकेंगी।

बीज वितरण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र जोधपुर द्वारा सूर्या आदर्श गाँव नांदियाकल्ला, जोधपुर (राजस्थान) में 45 किसानों को प्रति किसान 4 किलो जीरे का उन्नत बीज उपलब्ध कराया गया, कुल 1 क्विंटल 80 किलो (180 किलो) बीज वितरित किया गया, जिसका बाजार मूल्य 1,80,000 रुपए है। इस बीज वितरण से किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है, क्योंकि जीरा एक महत्वपूर्ण मसाला फसल है और इसके उत्पादन में वृद्धि से किसानों की आय में सुधार होगा।

इसके बाद, वैज्ञानिकों ने सूर्या फल वाटिका का दौरा किया, जहाँ उन्होंने पौध प्रबंधन के बारे में किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। सूर्या फल वाटिका में पौधों की देखभाल, उनके लिए उचित जल प्रबंधन, पोषण और कीट नियंत्रण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस प्रकार के कार्यक्रम किसानों को नई तकनीकों और उन्नत कृषि विधियों के प्रति जागरूक करते हैं, जिससे वे अपने उत्पादन को बेहतर बनाकर और अधिक लाभ कमा सकते हैं।

वनवासी बहनों द्वारा सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा संचालित प्रकल्पों का भ्रमण

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा वनवासी बहनों के लिए कन्या शिक्षा परिसर का संचालन मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में किया जा रहा है। यह परिसर मुख्य रूप से वनवासी और पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विकास के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है। परिसर में छात्राओं को न केवल शैक्षणिक ज्ञान दिया जाता है, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए नैतिक शिक्षा, संस्कार, योग, और व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। संस्थान का उद्देश्य है कि ग्रामीण बालिकाएँ समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें। यह प्रयास शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणा का स्रोत है।

कन्या शिक्षा परिसर की बहनों को भारत भ्रमण के दौरान मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा संचालित सूर्या सिलाई केन्द्र तथा सूर्या कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर का भ्रमण करवाया गया।

समाचार पत्रों में कार्यक्रम की झलकियाँ...

अप्रतिम सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल : गुरुनाथ राजगिरा

बिदर स्वामी विवेकानन्द के विचारों से प्रभावित होकर वे समाज सेवा के क्षेत्र में उतर गये और 1992 में आदर्श ग्राम योजना की संकल्पना के साथ सूर्या फाउण्डेशन की स्थापना की है। पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल ने कोई भी फलापेक्ष के बिना ही समाज की सेवा कर रहे है सूर्य फाउण्डेशन संयोजन गुरुनाथ राजगिरा ने कहा। उन्होंने भालकी तालुक के रायण्णा गौडगांव गांव में महादेव मंदिर में पद्म श्री जयप्रकाश अग्रवाल के 73वें जन्मदिन के अवसर पर विशेष पूजा और गोपूजा करने के बाद बात की। देश के 18 राज्यों में शिक्षा, डेयरी फार्मिंग पर प्रशिक्षण, जैविक खेती पर प्रशिक्षण के साथ-साथ डेयरी फार्मिंग, जैविक खेती पर प्रशिक्षण के माध्यम से जयप्रकाश ने इस विश्वास के साथ काम किया कि देश का विकास गांवों के विकास से होता है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल के नेतृत्व में सूर्या फाउंडेशन सेवा कार्य कर रहा है।

'स्वावलंबी गांव के लिए खेती में किसान और वैज्ञानिकों के बीच समन्वय होना जरूरी'

केवीके ने विकास प्रोजेक्ट के तहत किसानों को दी विभिन्न जानकारियां, उन्नत बीज वितरित किए

सूर्या फाऊंडेशन झिंझौली में आयोजित महिला स्वावलंबन शिविर सम्पन्न

प्रशिक्षण लेते हुए महिलाएं।

सवेरा न्यूज/ कुलदीप सिंह, खरखौदा,29 नवम्बर : सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित 5 दिवसीय महिला स्वावलंबन शिविर झिंझौली में भाग ले रही 8 राज्यों की 75 महिलाओं ने निफ्टम कुंडली का दौरा किया और आचार, नान खटाई, खोया, टमाटर केचप बनाना व फूड प्रोसेसिंग के बारे में सीखा। निफ्टम के प्रोग्राम मैनेजर डॉ सोनल गुप्ता ने कहा कि पिछले एक साल से हम सूर्या फाउंडेशन के साथ मिलकर महिला स्वावलंबन का प्रयास कर रहे हैं। पिछले वर्ष विभिन्न राज्यों से करीब सौ महिलाएं आयी थी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में सूर्या फाउंडेशन की यह अच्छी पहल है जिसमें निफ्टम सहभागी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने में परिवार का सपोर्ट होना भी आवश्यक है। हमारे कार्यों से हमारे बच्चे प्राउड फील करें, ऐसा कार्य करना। संस्था द्वारा सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आदर्श गांव योजना प्रमुख प्रमोद आसरे, ट्रस्टी कामेश्वर दलाई, प्रशिक्षण प्रमुख विकास विश्वकर्मा, शत्रुहन लाल कश्यप, नरोत्तम और निफ्टम के ट्रेनर तान्या, नूपुर, रीदम, धर्मेंद्र, ऋतु, महक, ललित दयाल आदि उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा खेलकूद प्रतियोगिताओ का शुभारंभ

कालवाड़ टाइम्स

निमेड़ा। सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गांव योजना प्रकल्प के तहत देशभर में सूर्या ग्रामीण खेल महोत्सव के अंतर्गत खेलकूद प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया जिसमें वॉलीबॉल, कबड्डी व खो-खो मुख्य खेल रहें फाउण्डेशन जेएफसी सूरज सैन के अनुसार प्रतियोगिताओ का आयोजन 14 नवम्बर पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल, चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन के जन्मदिन से लेकर 25 दिसंबर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक किया जाएगा इन प्रतियोगिताओ का आयोजन जयपुर के निमेड़ा, बिंदायका, मुंडिया पुरोहितान, मुंडिया रामसर, नन्दविहार, श्याम वाटिका व नन्दगाँव में किया जाएगा इसकी शुरूआत जयपुर के निमेड़ा से दौड़ प्रतियोगिता व कबड्डी प्रतियोगिता से की गई जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा मंडल किसान मोर्चा अध्यक्ष गजानन्द चौधरी रहे शुभारंभ में यूथ क्लब शिक्षक सुजीत प्रजापत,राकेश चौधरी की अहम भूमिका रही।

SURYA FOUNDATION

B-3/330, Paschim Vihar, New Delhi-110063

Tel. : +91-25261588, 25253681 | +91-9310214842

Email: contact@suryafoundation.org | www.suryafoundation.org